A–281

Total Pages : 5 **Roll No. .....**

MAPS–605

INDIAN POLITICAL THOUGHT-II

भारतीय राजनीतिक चिन्तन-II

MA Political Science (MAPS)

4th Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Analyze Swami Vivekananda's perspectives on education and women's empowerment, and explore how he envisioned the role of women in fostering societal transformation?

   शिक्षा और महिला सशक्तिकरण पर स्वामी विवेकानन्द के दृष्टिकोण का विश्लेषण करें और उन्होंने सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में महिलाओं की भूमिका की कल्पना कैसे की?

2. To what extent are Mahatma Gandhi's ideas still pertinent and applicable in the context of the 21st century ?

   21वीं सदी के संदर्भ में महात्मा गांधी के विचार आज भी किस हद तक प्रासंगिक हैं ?

3. Provide a critical analysis of Jawaharlal Nehru's perspectives on religion and communalism within the Indian context ?

भारतीय संदर्भ में धर्म और सांप्रदायिकता पर जवाहरलाल नेहरू के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रदान करें।

4. Delve into a comprehensive discussion of Vinoba Bhave's contributions to contemporary Indian social and political thought.

समकालीन भारतीय सामाजिक और राजनीतिक चिंतन में विनोबा भावे के योगदान की व्यापक चर्चा कीजिए।

5. Elaborate on Ram Manohar Lohia's concepts concerning the Chaukhamba State and Sapta Kranti ?

चौखंबा राज्य और सप्त क्रांति के संबंध में राम मनोहर लोहिया की अवधारणाओं के बारे में विस्तार से बताइए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Provide insights into Surendra Nath Banerjee's perspective on the partition of Bengal ?

   बंगाल के विभाजन पर सुरेंद्र नाथ बनर्जी के परिप्रेक्ष्य में अंतर्दृष्टि प्रदान करें।

2. Elucidate the economic concepts and ideas put forth by Dada Bhai Naoroji.

   दादा भाई नौरोजी द्वारा प्रस्तुत आर्थिक अवधारणाओं और विचारों को स्पष्ट करें।

3. The basis of Acharya Narendradev's socialism is democracy and humanism. Critically explain this statement.

   आचार्य नरेन्द्रदेव के समाजवाद का आधार जनतंत्र और मानवतावाद है। इस कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

4. Briefly explain the concept of total revolution propounded by J.P. Narayan.

   जे.पी. नारायण द्वारा प्रतिपादित सम्पूर्ण क्रांति की अवधारणा की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए।

5. Provide a brief explanation of Aurobindo Ghosh's ideas regarding nationalism and the concept of human unity.

राष्ट्रवाद और मानव एकता की अवधारणा के संबंध में अरबिंदो घोष के विचारों की संक्षिप्त व्याख्या प्रदान कीजिए।

6. Provide a brief overview of Vinoba Bhave's views on Marxism.

मार्क्सवाद पर विनोबा भावे के विचारों का एक संक्षिप्त विवरण प्रदान करें।

7. How do Savarkar's perspectives on untouchability contrast with those of Ambedkar and Gandhiji? Provide a concise comparative insight.

अस्पृश्यता पर सावरकर का दृष्टिकोण अम्बेडकर और गांधीजी के दृष्टिकोण से कैसे भिन्न हैं ? एक संक्षिप्त तुलनात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करें।

8. Describe the ideas related to organized democracy of Manvendra Nath Roy.

मानवेन्द्र नाथ राय के संगठित लोकतंत्र सम्बन्धी विचारों का वर्णन कीजिए।

****